B.A. III Organizational Psychology

3Q. संगठन व्यवहार की चुनौतियों अथवा समस्याओं का विवेचन करें।

Ans:- वर्तमान समय में संगठनात्मक व्यवहार को समझना प्रबन्धकों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण तथा आवश्यक बन गया है। कारण संगठना में नाटकीय परिवर्तन तेजी के साथ घटित होते रहे हैं जिनकी जानकारी के बिना संगठन को संतुलित रूप से संचालित करना संभव नहीं है। अतः प्रबन्धकों के दृष्टिकोण से कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियाँ अथवा विवेचनात्मक समस्याएँ निम्नलिखित हैं।

सार्वभौमिकता की समस्या :- आज के संगठन मात्र राष्ट्रीय सीमा तक ही सीमित है बल्कि दूसरे राष्ट्रों में प्रवेश करने लगे हैं। उदाहरण के लिए एक अमेरिकन कम्पनी की विक्रय का 75% आय दूसरे विकासशील राष्ट्रों से प्राप्त होता है यही स्थिति अन्य विकसित राष्ट्रों में देखी जाती है। इस तरह विश्व मानो एक सार्वभौम गाँव बन गया है। ऐसी स्थिति में संगठन के प्रबन्धकों को विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के साथ काम करने के योग्य होना अनिवार्य बन गया है। वास्तव में प्रबन्धकों के लिए यह एक चुनौती है। कारण यह कि सार्वभौमिकता के परिणामस्वरूप प्रबन्धकों के सामने दो मुख्य विचारात्मक या चुनौतीपूर्ण समस्याएँ उत्पन्न हो गयी हैं पहली समस्या यह है कि आवश्यकता के अनुसार प्रबन्धकों को अपने राष्ट्र से दूर अन्य राष्ट्रों में जाना है तथा ऐसे लोगों के साथ व्यवहार करना है जो

Scanned by TapScanner

आवश्यकताओं आकांक्षाओं मनोवृत्तियाँ मूल्यों आदि के दृष्टिकोण से बिल्कुल भिन्न है। यह सचमुच एक कठिन एवं चुनौतीपूर्ण समस्या है जिसका समाधान प्रबन्धक को ही करना है। इस संदर्भ में दूसरी समस्या यह है कि यदि प्रबन्धक अपने देश में ही कार्यरत हो तो भी उसके सामने एक नई समस्या उत्पन्न हो सकती है। सार्वभौमिकता के कारण अपने देश में भी प्रबन्धकों को ऐसा मालिकों समकक्ष व्यक्तियों तथा अन्य कर्मचारियों से सामना पड़ सकता है जो दूसरी संस्कृतियों में पले हों और जो आवश्यकताओं मूल्यों मनोवृत्ति विश्वासों आदि में भिन्न हों। ऐसी स्थिति में प्रबन्धकों को समझना होगा कि उनका प्राथमिक समाजीकरण किस संस्कृति हुआ है।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
U.R.C. Rosera Samastipur

9570435959

Scanned by TapScanner